Adenoids / Recurrent cold Cough and Fever

Date 2/8/11
Page 94

Vaishnavi Prakash. [redacted]

Written by Mother.

मेरी बेटी Vaishnavi जब दो साल की थी तब उसे Adnoids हो गया तभी उसका इलाज LILAVATI HOSPITAL में चल रहा था। उसे हर महीने Cough and Fever हो जाता था। जाँच में पता चला की Adenoid gland बढ़ गया है। D.O ने Antibiotic दवाइयाँ दी पर उससे कोई खास सुधार नहीं हुआ और D.O ने ऑपरेशन की सलाह दिया। उन दिनों मैं काफी घबरा गयी थी फिर कुछ दोस्तो ने Homophaty की सलाह दी। तब मैं D. Sunil Mehra जी के पास आयी और D.O साहब ने बच्चे का खान-पान और परहेज के बारे में बतलाई। मैंने पूर्ण विश्वास के साथ दवाइयाँ और खान-पान पर विशेष ध्यान दी।

धीरे 2 इसकी बिमारी में काफी सुधार होता गया लगभग 6 महीने के अन्दर सर्दी, जुकाम की Frequency कम हो गयी। जो बच्ची हर महीने बिमार पड़ती थी वो अब काफी ठीक हो गयी है। सोते समय बच्ची के नाक से आवाज निकलती थी वो अब काफी हद तक ठीक हो गई July 2010 से लेकर अब तक फिर दुबारा नहीं आया इसलिए मुझे Homophaty और D.O साहब पर पूर्ण विश्वास हो गया। और सबसे ज्यादा जरूरी बात की Homophaty के side effects नहीं होते हैं।

D.O साहब के इलाज का तरीका बहुत अच्छा है और Phone पे हमेशा उपलब्ध रहते है यहाँ तक की इन्होने खुद Phone करके बच्ची का हाल पूछते थे। पिछले दो साल से मुझे एक बार भी ऐलोपैथी D.O के पास जाना नहीं पड़ा।

Next page

Scanned by CamScanner

जहाँ जरूरत पड़ने पर ही अंग्रेजी दवाई खाने को सलाह देते है।

दूसरी माताओं को भी संदेश है धैर्य और विश्वास के साथ Homophaty का इलाज करायें क्योंकि Homophaty सिर्फ बिमारी का ही इलाज नहीं करता बल्कि अन्दर से बीमारी को जड़ से मिटाता है। डा० साहब की एक २ बात पर ध्यान दे खान-पान और परहेज पर ध्यान दे समय २ पर Follow up देते रहे और मै डा० साहब के Treatment के तरिके से बहुत खुश हूँ।

मुझे यहाँ भी सीखने को मिला की बच्चे को बाहर से ही नहीं बल्कि अन्दर से कैसे शक्तिशाली बनाया जाय और उसका सर्वोत्तम तरीका है पौष्टिक खाना। दवाई के साथ २ बच्चे को पौष्टिक खाने पर भी ध्यान दे जैसा डा० साहब बताते है।

यहाँ के Assistant भी काफी Co-operative है और हमेशा Phone पे उपलब्ध रहते है।

Ravi Prakash